

ओंकारेश्वर फ्लोटिंग सोलर परियोजना

स्रोत: पी.आई.बी

हाल ही में **SJVN ग्रीन एनर्जी लिमिटेड (SGEL)** ने 90 मेगावाट की ओंकारेश्वर फ्लोटिंग सोलर परियोजना शुरू की।

- **SJVN लिमिटेड** भारत सरकार के वलदुत मंत्रालय के अंतर्गत एक मनी रत्न अनुसूची 'A' केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र उपक्रम (CPSU) है।
- ओंकारेश्वर फ्लोटिंग सोलर परियोजना:
 - मध्य प्रदेश के खंडवा ज़िले में स्थित ओंकारेश्वर फ्लोटिंग सोलर पार्क में स्थित है।
 - यह पार्क भारत का सबसे बड़ा फ्लोटिंग सोलर पार्क है।
 - इस परियोजना का उद्देश्य कार्बन उत्सर्जन में 2.3 लाख टन CO2 की उल्लेखनीय कमी लाना है, जिससे वर्ष 2070 तक शुद्ध-शून्य उत्सर्जन प्राप्त करने के भारत के लक्ष्य को पूरा किया जा सके।
 - यह जल वाष्पीकरण को कम करके जल संरक्षण में भी सहायता करेगा।
- भारत की स्थापित सौर ऊर्जा क्षमता जून 2024 तक 85.47 गीगावाट तक पहुँचकर उल्लेखनीय रूप से बढ़ी है।
- मई 2024 तक, नवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों की कुल स्थापित क्षमता 195.01 गीगावाट है, जिसमें 46.65 गीगावाट पवन ऊर्जा, 10.35 गीगावाट बायोमास/सह-उत्पादन, 5 गीगावाट लघु जल वलदुत, 0.59 गीगावाट अपशिष्ट से ऊर्जा और 46.92 गीगावाट वृहत् जल वलदुत शामिल है।



Drishti IAS

भारत का स्वच्छ ऊर्जा का लक्ष्य

- भारत का लक्ष्य वर्ष 2070 तक नेट जीरो उत्सर्जन तक पहुँचना और वर्ष 2030 तक अपनी बिजली आवश्यकताओं का पचास प्रतिशत नवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों से पूरा करना है।
- वर्ष 2070 तक नेट जीरो उत्सर्जन के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए भारत को इस दशक में ऊर्जा मांग में अधिकांश वृद्धि को पहले से ही कम कार्बन ऊर्जा स्रोतों से पूरा करना होगा।
- भारत सरकार का लक्ष्य वर्ष 2030 तक 500 गीगावाट नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता स्थापित करना, अपनी अर्थव्यवस्था की उत्सर्जन तीव्रता को 45% तक कम करना और एक अरब टन कार्बन डाईऑक्साइड के उत्सर्जन को कम करना शामिल है।



और पढ़ें: [वर्ष 2023 में भारत बना विश्व का तीसरा सबसे बड़ा सौर ऊर्जा उत्पादक](#)